आर्थिक सर्वेक्षण, दिल्ली 2022–23, मुख्य अंश

दिल्ली की अर्थव्यवस्था

1. वर्ष 2022–23 के दौरान प्रचलित मूल्यों पर दिल्ली के जीएसडीपी का अग्रिम अनुमान 1043759 करोड रुपये है जो वर्ष 2021–22 के मुकाबले 15.38 प्रतिशत ज्यादा है।

2. वर्ष 2022–23 के दौरान स्थिर मूल्यों पर दिल्ली के जीएसडीपी का अग्रिम अनुमान 652649 करोड रुपये दर्ज किया गया है जो 2021–22 की तुलना में 9.18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

3. कोरोना काल के बाद दिल्ली में कुल आर्थिक गतिविधि राष्ट्रीय स्तर की तुलना में अधिक तेजी से बहाल हुई है। वर्ष 2021–22 और 2022–23 में क्रमशः 9.14 प्रतिशत और 9.18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दिल्ली की वास्तविक जीएसडीपी में तेजी से सुधार हुआ, जो निम्न आधारभूत प्रभाव और अर्थव्यवस्था की अन्तर्निहित शक्तियों पर आधारित है।

4. दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का योगदान अधिक है। 2022–23 के दौरान प्रचलित मूल्यों पर सकल राज्य मूल्यवर्द्धित में इस क्षेत्र का योगदान 84.84 प्रतिशत है, इसके बाद द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 12.53 प्रतिशत और प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 2.63 प्रतिशत रहा।

5. वर्ष 2022–23 के दौरान दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय का अग्रिम अनुमान 444768 रुपये है जो पिछले वर्ष की तुलना में 14.18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

6. दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय प्रचलित और स्थिर मूल्यों पर हमेशा राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग 2.6 गुणा ज्यादा रही है।

7. दिल्ली ने राजस्व आधिक्य की अपनी स्थिति बनाये रखी है। वर्ष 2021–22 (अनंतिम) में यह बढ़कर 3270 करोड़ रुपये हो गया जबकि इसके पिछले वर्ष 2020–21 में यह 1450 करोड़ रुपये था। 2021–22 के दौरान दिल्ली का राजस्व आधिक्य जीएसडीपी का 0.36 प्रतिशत था और 2022–23 (बजट अनुमान) में यह 0.73 प्रतिशत है।

8. वर्ष 2011–12 में दिल्ली सरकार पर 29608.27 करोड़ रुपये का बकाया ऋण था जो इसके जीएसडीपी के 8.61 प्रतिशत के बराबर था। 31.03.2022 को बकाया ऋण राशि 41481.50 करोड रुपये थी जिससे ऋण–जीएसडीपी अनुपात 4.59 प्रतिशत पर आ गया।

9. राजस्व प्राप्तियों और ब्याज भुगतान के अनुपात में भी कमी आयी और यह 2021–22 में 6.64 प्रतिशत हो गया जबकि 2011–12 में यह अनुपात 13.03 प्रतिशत था। इससे स्पष्ट है कि ऋण समस्या नियंत्रण में है।

10. 2021–22 के दौरान दिल्ली सरकार के कर संग्रह में 36 प्रतिशत की जबर्दस्त वृद्धि हुई जबकि 2020–21 में (कोविड महामारी के कारण) 19.53 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि रही थी। 2021–22 में कर राजस्व के सभी घटकों में सकारात्मक वृद्धि रही।

11. वर्ष 2022–23 का बजट 75,800 करोड़ रुपये का था जिसमें से 43,600 करोड़ रुपये रा.रा.क्षे.दिल्ली सरकार की स्कीम/कार्यक्रम/परियोजनाओं के लिये आवंटित किये गये। यह आवंटन 2021–22 (बजट अनुमान) के 37,800 करोड़ रुपये से 5800 करोड़ रुपये अधिक था।

12. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली को एक समावेशी, सबके लिये समान सुविधासंपन्न और बेहतर जीवन योग्य विश्वस्तरीय शहर बनाने और अपने नागरिकों की आकांक्षा पूरी करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है।

13. 2022–23 में योजना/कार्यक्रम/परियोजना बजट आवंटन में परिवहन क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और कुल बजट का 20 प्रतिशत इस क्षेत्र के लिए आवंटित किया गया, इसके बाद शिक्षा क्षेत्र के लिए 17%, जल आपूर्ति और स्वच्छता के लिए 15% और चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य के लिए 13% बजट आवंटित किया गया।

पर्यावरण और वन तथा कृषि

14. वर्ष 1997 के बाद से वन और वृक्ष कवर क्षेत्र में बढोतरी हो रही है। दिल्ली सरकार की पहल से 2021 में वन और वृक्षों से घिरे क्षेत्र का दायरा बढ़कर 342 वर्ग किलोमीटर हो गया है। इससे कुल भौगोलिक क्षेत्र में वनों का हिस्सा बढ़कर 23.06 प्रतिशत हो गया है।

15. भारतीय वन क्षेत्र रिपोर्ट, 2021 के अनुसार सात प्रमुख बड़े शहरों में दिल्ली का वन क्षेत्र सबसे अधिक 194.24 वर्ग किलोमीटर है, इसके बाद मुंबई का 110.77 वर्ग किलोमीटर और बंगलुरू का 89.02 वर्ग किलोमीटर है।

16. राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों के कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में दिल्ली का वृक्ष क्षेत्र, चंडीगढ़ (13.16 प्रतिशत) के बाद, 9.91 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है।

17. दिल्ली में कुल सकल फसल क्षेत्र बढ़कर 2021–22 में 47850 हेक्टेयर हो गया जो 2011–12 के दौरान 36445 हेक्टेयर था।

18. 2011–12 के मूल्यों पर दिल्ली के सकल राज्य मूल्य संवर्द्धित (जीएसवीए) के प्रतिशत संवितरण ने कृषि और सहयोगी सेक्टर में गिरावट का रुझान दर्शाया। स्पष्ट रूप से कहा जाये तो जीएसवीए में कृषि क्षेत्र का प्रतिशत योगदान प्रचलित मूल्यों पर 2011–12 के 0.94 प्रतिशत से कम होकर 2022–23 में 0.31 प्रतिशत हो गया।

पर्यटन, विद्युत और उद्योग

19. दिल्ली की अर्थव्यवस्था में द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण सब–सेक्टर प्रमुख योगदान करता है। विनिर्माण क्षेत्र से आय 2011–12 के 18907 करोड रूपये से बढकर 2022–23 में 39897 करोड रूपये हो गई।

20. नीति आयोग– ''एसडीजी इंडिया इंडेक्स एंड डैशबोर्ड 2021–22'' के अनुसार, दिल्ली सतत विकास लक्ष्यों–एसडीजी में देश में अग्रिम वाहक श्रेणी में आता है।

21. भारत की राजधानी दिल्ली विदेशी और घरेलू पर्यटकों के लिये प्रमुख गंतव्यों में एक है। इंडिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स एट अ गलांस– 2022 के अनुसार 2021 में कुल विदेशी पर्यटकों के आगमन में दिल्ली 9.50 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

22. बिजली की अधिकतम मांग वर्ष 2011–12 के 5028 मेगावाट से बढकर 2021–22 में 7323 मेगावाट हो गई है।

23. विद्युत क्षेत्र में सुधारों के बाद दिल्ली में सकल तकनीकी और वाणिज्यिक क्षति (एटी एंड सी) में काफी कमी आयी है और यह 2002 (जुलाई 2002 से पूर्व) के सुधार पूर्व स्तर 52 प्रतिशत से घटकर 2021–22 में 7.20 प्रतिशत पर आ गयी है।

24. नगर निगम के ठोस कचरे की समस्या से निपटने के साथ–साथ बिजली उत्पादन के लिए दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर कचरे से ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इसके अनुरूप तेहखंड (25 मेगावाट) में कचरे से ऊर्जा संयंत्र लगाने का काम प्रगति पर है, भलस्वा में 15 मेगावाट का संयंत्र और गाजीपुर में मौजूदा संयंत्र का विस्तार कर 8 मेगावाट का बनाने पर भी विचार चल रहा है। इसके अतिरिक्त एमसीडी और एनटीपीसी ने 12 मेगावाट का कचरे से ऊर्जा संयंत्र लगाने का संयुक्त उद्यम तैयार किया है।

25. दिल्ली के 6864 स्थानों पर सितंबर 2022 तक 244 मेगावाट की सौर प्रणालियां स्थापित की गई हैं।

26. दिल्ली में नवीकरणीय ऊर्जा (सौर और डब्ल्यूटीई) की कुल स्थापित क्षमता 30.09.2022 तक 300 मेगावाट है।

परिवहन

27. दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के दो महत्वपूर्ण घटक हैं– बस परिवहन, मुख्यतः डीटीसी और क्लस्टर बसों द्वारा तथा डीएमआरसी का मेट्रो रेल।

28. 2021–22 में डीटीसी बसों में दैनिक औसत यात्री संख्या 15.62 लाख और क्लस्टर बसों में 9.87 लाख थी।

29. 2021–22 में दिल्ली में सड़क पर मोटर वाहनों की कुल संख्या 79.18 लाख थी, जिसमें 35.38 प्रतिशत की कमी दिख रही है क्योंकि दिल्ली सरकार ने 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

30. वर्तमान में 63 बस डिपो और 16 बस टर्मिनल परिचालन में हैं।

31. एनसीआर में डीटीसी सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन इकाई है। डीटीसी शहर के 461 रूटों पर और एनसीआर के 7 रुटों पर 4010 बसें परिचालित करती हैं। इसके अलावा 3319 बसें क्लस्टर योजना के तहत चलाई जा रही है।

32. रात्रि सेवा के लिए 27 रूटों पर 88 बसें चलाई जाती हैं। 30 रूटों पर व्यस्ततम समय के दौरान 30 महिला स्पेशल बसें भी चलाई जा रही हैं।

33. महिलाओं की सुरक्षा के लिए 30 सितंबर 2022 को डीटीसी की बसों में 7938 मार्शल और क्लस्टर बसों में 3296 मार्शलों की तैनाती थी।

34. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने दिल्ली में विद्युत बसों को बढावा देने का फैसला किया है, जिससे वाहनों के कारण होने वाले उत्सर्जन में कमी आएगी।

35. भारत में हाईब्रिड और विद्युत वाहनों के निर्माण और तेजी से अपनाये जाने की योजना (फेम इंडिया) के तहत डीटीसी में दिसंबर 2022 तक 300 बिजली चालित बसें शुरू की गई थी।

36. दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अनेक परिवहन बुनियादी ढांचा परियोजनाएं लागू की गई। रिंग रोड और आउटर रिंग रोड के–95.13 किलोमीटर, राष्ट्रीय राजमार्ग–37.50 किलोमीटर, शाखा सड़कें–298 किलोमीटर और 30 मीटर से कम चौडाई वाली 926 किलोमीटर सड़कें बनाई गई।

37. रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने डीटीसी/क्लस्टर बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा सुविधा की शुरूआत 29.10.2019 से की। 2021–22 के दौरान महिला यात्रियों ने डीटीसी की बसों में 13.04 करोड़ और क्लस्टर बसों में 12.69 करोड़ निशुल्क यात्रा की।

38. मौजूदा समय में 47 सेवाएं पूरी तरह फेसलेस डिलिवरी मोड में कर दी गई हैं और दिसंबर 2022 तक 26 लाख से अधिक आवेदकों को इस योजना से लाभ हुआ है।

39. 2021–22 में दिल्ली मेट्रो का परिचालन मार्ग (एयरपोर्ट लाइन और रैपिड मेट्रो सहित) 360.975 किमी था और उसी वर्ष में दिल्ली मेट्रो में औसत दैनिक यात्री यात्रा 25.16 लाख दर्ज की गई।

आवास और जलापूर्ति

40. दिल्ली सरकार ने जल कनेक्शन का मीटर रखने वाले प्रत्येक घरों को 20 किलोलीटर तक पानी निशुल्क उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया है। लगभग 21.39 लाख उपभोक्ता इस योजना के लागू होने के बाद से लाभान्वित हो चुके हैं।

41. उपेक्षित और सुविधावंचित क्षेत्रों तक नियमित जलापूर्ति उपलब्ध कराना दिल्ली सरकार की एक उल्लेखनीय उपलब्धि रही है। कुल अनधिकृत कॉलोनियों के 96 प्रतिशत को इस दायरे में लाया गया है।

42. दिल्ली के लगभग 93 प्रतिशत घरों को अब पाइप के जरिये जलापूर्ति हो रही है।

43. गर्मियों के दौरान जल उत्पादन 956 एमजीडी प्रतिदिन पर बनाए रखा जा रहा है। पानी की आपूर्ति मौजूदा आपूर्ति नेटवर्क के जरिये होती है, जिसमें 15383 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन और 117 से अधिक भूमिगत जलाशय (यूजीआर) शामिल हैं।

44. स्टेनलेस स्टील से निर्मित और जीपीएस युक्त 397 नए जल टैंकर शहर में जल आपूर्ति प्रणाली में सुधार के लिए लगाए गए हैं।

45. वर्ष 2022 में दिल्ली जल बोर्ड की जल उपचार क्षमता, 943 एमजीडी रही।

46. दिल्ली जल बोर्ड अपने 67 जल निकायों का पुनरूद्धार कर रहा है। इनमें से 42 का पुनरूद्धार कार्य पूरा हो चुका है।

47. स्व–स्थाने मलिन बस्ती पुनर्वास परियोजनाओं का उद्देश्य इन बस्तियों में रह रहे लोगों को 'जहां झुग्गी, वहीं मकान' योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराना है। डीएसआईआईडीसी और डूसिब द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये जेएनएनयूआरएम के अंतर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं से लगभग 52,000 रिहायशी इकाईयों की स्थिति में सुधार होने का अनुमान है।

शिक्षा

48. दिल्ली सरकार के कुल 1250 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय हैं जो दिल्ली में चल रहे कुल स्कूलों का 22.24 प्रतिशत है।

49. वर्ष 2021–22 के दौरान सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकन का हिस्सा दिल्ली के सभी स्कूलों के कुल नामांकन का 41.46 प्रतिशत रहा।

50. यूडीआईएसई+ रिपोर्ट 2021–22 के अनुसार दिल्ली में शिक्षा के सभी स्तरों पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) और निवल नामांकन अनुपात (एनईआर) अखिल भारतीय स्तर की तुलना में कहीं ज्यादा है।

51. भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य बजट विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने वर्ष 2022–23 (बजट अनुमान) में देश के अन्य सभी राज्यों की तुलना में शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक 20.5 प्रतिशत का बजटीय आवंटन किया।

52. उच्च माध्यमिक स्तर पर दिल्ली का उत्तीर्णता प्रतिशत पिछले आठ वर्षों के दौरान अखिल भारतीय स्तर से ऊंचा रहा है । 2021–22 के दौरान दिल्ली ने दोनों स्तरों माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर अखिल भारत से बेहतर प्रदर्शन किया है।

53. शत–प्रतिशत स्कूलों ने अपने सिलेबस में देश–भक्ति पाठ्यक्रम लागू कर दिया है।

54. दिल्ली कौशल और उद्यमिता विश्वविद्यालय की स्थापना विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय कौशल शिक्षा प्रदान करने और कौशल से जुड़े कार्यक्रमों का संचालन करने हेतू हुई, ताकि राष्ट्र के विकास के लिए प्रशिक्षित और रोजगार में लगाने योग्य मानव संसाधन विकसित करने की चुनौती का समाधान किया जा सके। वर्ष 2022–23 के दौरान विश्वविद्यालय ने अपनी प्रवेश क्षमता बढ़ाकर 7933 कर दी है।

स्वास्थ्य

55. दिल्ली सरकार 4 स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचा मॉडल लागू कर रही है। पहले और दूसरे स्तर पर मोहल्ला क्लीनिक और पॉलिक्लीनिक से प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है।

56. 31 मार्च 2022 को 89 अस्पताल, 48 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 1621 औषधालय, 128 मैटर्निटी होम और उप–केंद्र, 44 पॉलिक्लीनिक, 1050 नर्सिंग होम, 508 विशेष क्लीनिक और 19 मेडिकल कॉलेज दिल्ली में उपलब्ध थे।

57. दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में बहुत बड़ा योगदान है जिसके अंतर्गत 38 मल्टीस्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, 167 एलोपैथिक औषधालय, 58 सीड प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र, 517 आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक, 30 पॉलिक्लीनिक, 49 आयुर्वेदिक औषधालय, 22 यूनानी औषधालय, 108 होम्योपैथी औषधालय और 50 स्कूल स्वास्थ्य क्लीनिक नागरिकों को स्वास्थ्य उपचार सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

58. सरकार ने दिल्ली आरोग्य कोष के माध्यम से सूचीबद्ध निजी स्वास्थ्य केंद्रों में निशुल्क रेडियोलॉजिकल नैदानिक सेवाएं और निशुल्क सर्जरी शुरू की है। सड़क दुर्घटना, एसिड हमले/जलने की घटना के पीड़ित लोगों का भी उपचार दिल्ली आरोग्य कोष से किया जा रहा है।

59. शिशु मृत्युदर, नवजात मृत्युदर, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर (एसआरएस के अनुसार) जैसे महत्वपूर्ण संकेतकों के संदर्भ में दिल्ली 12, 9 और 14 के स्तर पर है। जबकि अखिल भारतीय स्तर पर यह क्रमशः 28, 20 और 32 है।

60. वित्तीय वर्ष 2021–22 के अंत में, दिल्ली में चिकित्सा संस्थाओं, 1163 सरकारी और प्राइवेट चिकित्सा संस्थानों और अस्पतालों में स्वीकृत बिस्तरों की संख्या बढ़ कर 58,960 हो गई, जबकि 31.03.2021 को 58,156 बिस्तर उपलब्ध थे। दिल्ली सरकार के अस्पतालों/संस्थानों में स्वीकृत बिस्तर क्षमता 2020–21 की 12,543 से बढ़ कर 2021–22 में 14,244 हो गई।

61. इसी प्रकार 1.4 के कुल फर्टिलिटी रेट के साथ दिल्ली पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के समकक्ष है। जबकि अखिल भारतीय स्तर पर यह दर 2.0 है। यह आंकड़ा रिप्लेसमेंट रेट की उपलब्धि दर्शाता है।

62. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे बच्चों के स्वास्थ्य, टीबी नियंत्रण, कुष्ठरोग उपचार पर ध्यान केंद्रित किया गया है और यह कार्यक्रम दिल्ली में दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से लागू किए जा रहे हैं।

सामाजिक सुरक्षा और कल्याण

63. दिल्ली में 60 से 69 वर्ष के वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिमाह 2000 रूपये और 70 वर्ष और इससे अधिक उम्र के वरिष्ठ जनों को 2500 रूपया प्रतिमाह की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। दिव्यांग लोगों और विपत्ति ग्रस्त महिलाओं को भी 2500 रूपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जा रही है।

64. वित्त वर्ष 2022–23 में दिसंबर 2022 तक लगभग 4.24 लाख वरिष्ठ नागरिकों को मासिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

65. वित्त वर्ष 2022–23 में दिसंबर 2022 तक लगभग 3.47 लाख विपत्ति ग्रस्त महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता दी गई।

66. वित्त वर्ष 2022–23 में दिसंबर 2022 तक दिव्यांग लोगों के लिए वित्तीय सहायता योजना के तहत 1.11 लाख दिव्यांगों को वित्तीय सहयोग दिया गया।

67. दिल्ली सरकार 'जयभीम मुख्यमंत्री प्रतिभा योजना' के तहत एससी/एसटी/ओबीसी/आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों को कोचिंग की सुविधा दे रही है, ताकि वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफल होकर समुचित रोजगार पाने में सफल हो सकें।

68. दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास, किशोर न्याय, बाल मनोविज्ञान और उपेक्षित बच्चों की देखभाल से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए कार्यरत है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली

69. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सार्वजनिक वितरण नेटवर्क में 2009 उचित मूल्य की दुकाने हैं जो 17.80 लाख डिजिटल खाद्य सुरक्षा कार्ड के जरिये 72.78 लाख आबादी को सब्सिडी प्राप्त खाद्यान्न उपलब्ध कराती हैं। यह खाद्य सुरक्षा कार्ड आधार से जुड़े होते हैं।

70. 2022–23 में एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना के तहत औसतन 5,21,994 प्रवासियों को राशन प्राप्त हुआ।

****